Department of Histrory

ईतिहास विभाग

HEARTY WELCOME TO NAAC PEER TEAM

नैक पीर टीम का हार्दिक स्वागत

8th & 9th SEPTEMBER - 2017

Year of Establishment

स्थापना

हिन्दी महाविद्यालय स्थापना	1961
इतिहास विभाग	1961

Faculty

प्राध्यापक गण		कार्यकाल
श्रीमती अर्चना सिंह	प्राध्यापिका	1 वर्ष 4 माह

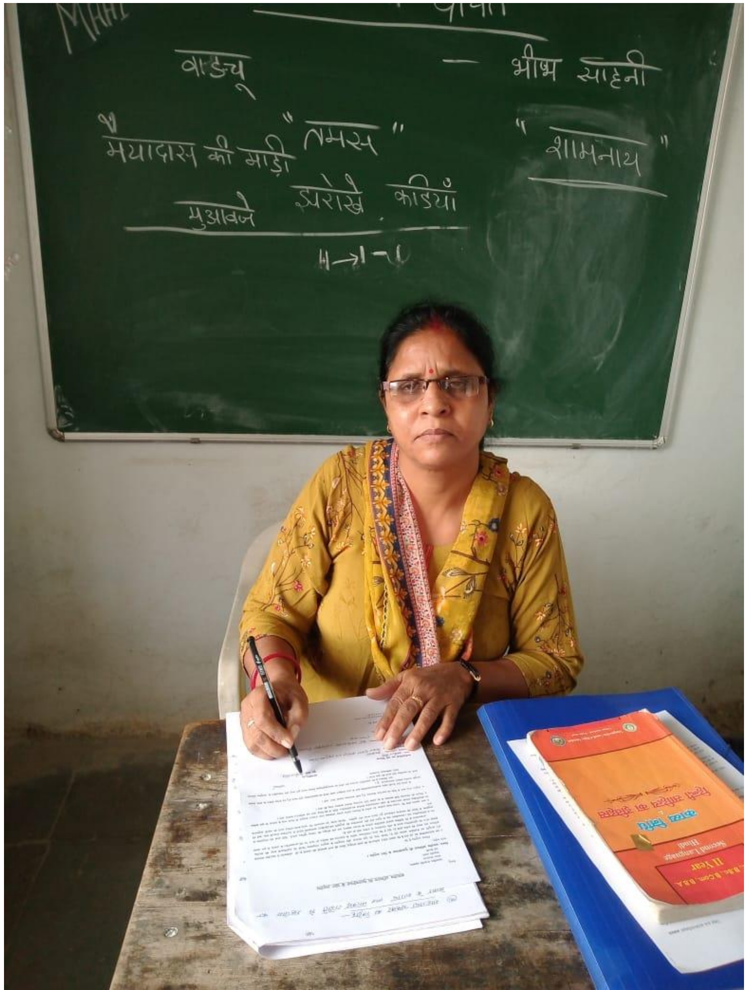

हमारे लक्ष्य

1. विद्यार्थियों की उन्नति।
2. विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास।
3. शिक्षण को रोजगार मूलक बनाना।
4. दक्षिण भारत में तथा अन्य भारतीय प्रांतों संस्था को ख्याति मिले, इसके लिए हिन्दी माध्यम से इतिहास के ज्ञान का संग्रह करना।
5. इतिहास के अध्ययन द्वारा मानवता का विकास करना।
6. इतिहास अध्ययन के माध्यम से भारत की संस्कृति और सभ्यता के गौरवशाली इतिहास को जानना।
7. भारत एवं विश्व के इतिहास को हिन्दी माध्यम से संकलित करना एवं लेखन पर बल देना।

छात्रों की संख्या

बी.ए.	प्रथम वर्ष	-	05
बी.ए.	द्वितीय वर्ष	-	06
बी.ए.	तृतीय वर्ष	–	09

परीक्षा परिणाम:

	उत्तीर्ण प्रतिशत	पदोन्नत
स्नातक प्रथम वर्ष	66.67 प्रतिशत	33.43 प्रतिशत
स्नातक द्वितीय वर्ष	37.5 प्रतिशत	62.5 प्रतिशत
स्नातक तृतीय वर्ष	100 प्रतिशत	---

परीक्षा परिणाम	इतिहास उत्तीर्ण प्रतिशत
स्नातक प्रथम वर्ष	100 प्रतिशत
स्नातक द्वितीय वर्ष	100 प्रतिशत
स्नातक तृतीय वर्ष	100 प्रतिशत

अव्वल आने वाले छात्र

बी.ए. तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक			
10921925709	1. परवेज आलम	8.95	प्रथम स्थान
109219259704	2. दोन्तुलवार सविता	8.93	द्वितीय स्थान
109219259708	3. पारुल रानी कश्यप	8.92	तृतीय स्थान

शिक्षण विधि :मूर्त से अमूर्त की ओर

1. छात्रों को किसी भी अध्याय या विषय संबंधित शीर्षक की जानकारी देते हुए समय उनके पूर्व ज्ञान की चर्चा करते हुए उन्हें नए ज्ञान तक पहुँचाना।
2. व्याख्यान पद्धति द्वारा छात्रों को पाठ समझाना।
3. आगमन-निगमन, संश्लेषण-विश्लेषण एरां उदाहरण विधि का आवश्यकतानुसार प्रयोग करके पाठ को सरल एवं रुचिकर बनाना।
4. समय-समय पर छात्रों की पाठ से संबंधित परीक्षा लेना।
5. छात्रों को परियोजना कार्य देना।
6. छात्रों को विषय संबंधी शीर्षक देकर समूह चर्चा करवाना।
6. छात्रों में विश्व एवं भारत के इतिहास के अध्ययन द्वारा शासन, प्रशासन, अर्थ व्यवस्था संस्कृतिक एरां कला को वर्तमान के संदर्भ में प्रस्तुत करके समस्याओं के निदान के बारे में बताना।

विभागीय गतिविधियाँ

1. इतिहास विभाग के स्थापना दिवस से लेकर आज तक इतिहास विभाग निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।
2. विभाग द्वारा छात्रों का सेमिनार करवाया गया।
3. विभाग द्वारा छात्रों को शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श दिया गया।
4. इतिहास विभाग की प्राध्यापिका द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पपत्र-प्रस्तुत किया गया।
5. इतिहास विभाग द्वारा स्नातक के छात्रों को शैक्षिक भ´मण पर ले जाया गया।
6. अतिथि व्याख्यान करवाया गया।

प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

1. छात्रों द्वारा समसामायिक घटनाओं पर चर्चा करवायी जाती है।

2. इतिहास के विभिन्न विषयों को लेकर प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता करवायी जाती है एवं छात्रों को पुरस्कृत भी किया जाता है।

3. अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता में छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

4. महाविद्यालय में सृजनात्मकता एवं संज्ञात्मक विकास के लिए ऐतिहासिक संदर्भों एवं विषयों के अनुसार लिखित विचार प्रस्तुत करवाया जाता है। इस कार्य हेतु आवश्यक सुझाव एवं निर्देश भी दिए जाते हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

शैक्षिक गतिविधियाँ

1.प्रत्येक शनिवार को विविध विषयों पर परिचर्चा की जाती है।

2.छात्रों को पाठ्यक्रम से संबंधित परियोजना कार्य दिया जाता है।

3.छात्रों को विश्व, भारत एवं तेलंगाना के शासन, अर्थव्यवस्था, संस्कृति की जानकारी के माध्यम से राष्ट्र के विकास में सहयोग देने की योग्यताएँ विकसित करना।

4. वर्तमान घटनाओं या समस्याओं का पूर्व आधार पर समाधान निकालने का प्रयत्न करना।

विभागीय प्राध्यापकों की शैक्षणेत्तर गतिविधियाँ :

1. नाम – श्रीमती अर्चना सिंह (विभागाध्यक्ष)

इतिहास प्रवक्ता

शैक्षणिक अनुभव

1. जुलाई 2000 से जून 2007 तक ग्रामीण शिक्षा निकेतन हाई स्कूल बरडीहा, डोभी, जौनपुर उत्तर-प्रदेश में इतिहास अध्यापक के रूप में कार्य किया।
2. जुलाई 2009 से जून 2010 तक ग्रामीण शिक्षा निकेलन हाईस्कूल बरडीहा, डोभी, जौनपुर उत्तर-प्रदेश में इतिहास अध्यापक के रूप में कार्य किया।
3. अगस्त 2010 से जुलाई 2014 तक प्रवक्ता हिन्दी पंडित शिक्षण प्रशिक्षण कॉलेज हैदराबाद हिन्दी प्रचार सभा हैदराबाद।
4. अगस्त 2014 से जून 2021 तक मथुरा सिंह इंटर कॉलेज में कोइलारी डोभी, जौनपुर उत्तर- प्रदेश में पीजीटी इतिहास लेक्चर के रूप में कार्य किया।
5. सितंबर 2021 से अब हिन्दी महाविद्यालय में इतिहास विभाग में सकिय रूप से कार्यरत हूँ।

शैक्षिक योग्यता :

1. स्कूली शिक्षा माध्यामिक शिक्षा उत्तर- प्रदेश बोर्ड इलाहाबाद से संपन्न हुई।
2. स्नातक एस.जी.आर.पीजी कॉलेज डोभी जौनपुर उत्तर- प्रदेश
3. स्नातकोत्तर एस.जी.आर.पी.जी. कॉलेज डोभी जौनपुर उत्तर- प्रदेश वी.बी. एस. पूर्वांचल विश्वविद्यालय।
4. हिन्दी विद्वान हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद।
5. बी.एड. दक्षिण भारत हिन्दी भारत हिन्दी प्रचार सभा खैरताबाद

अन्य शैक्षिक और गैर शैक्षिक उपलब्धियाँ :

1. कॉलेज स्तरीय प्रतियोगिता में स्पोर्ट चैम्पियन अवार्ड उत्तर प्रदेश के राज्यपाल मोतीलाल बोरा से प्राप्त किया।

अन्य कौशल और गैर शैक्षिक उपलब्धियाँ:

1. कॉलेज स्तरीय प्रतियोगिता में स्पोर्ट चैम्पियन अवार्ड उत्तर-प्रदेश के राज्यपाल मोतीलाल बोरा से प्राप्त किया।

2. स्नातक के समय एन.एन.एस. प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

विभागीय दुर्बलताएँ

छात्रों की संख्या में कमी के कारण निम्नवत हैं-

1. दक्षिण भारत में हिन्दी माध्यम से पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम है
2. दक्षिण भारत में हिन्दी माध्यम से पढ़ने वालों छात्रों को रोजगार के अवसर कम है।
3. हिन्दी माध्यम के छात्रों को रोजगार के बारे में जानकारी कम है।
4. हिन्दी माध्यम अधिकतर छात्र अन्य हिन्दी प´देशों से आते हैं,

जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। अतः वे कार्य करते हुए पत्राचार माध्यम से पढ़ते है।

उपचारात्मक कक्षाएँ

1. जो छात्र धीमी से गति से सीखते हैं अथवा उनकी बुद्धिलब्धि कम है उनके लिए मनोवैज्ञानिक निर्देशन एरां परामर्श की व्यवस्था हिन्दी महाविद्यालय में की जाती है।
2. छात्रों को लक्ष्य निर्धारण एवं उसे प्राप्त करने हेतु उचित मार्गदर्शन अध्यापकों द्वारा दिया जाता है।
3. जिन विषयों को छात्र आसानी से नहीं समझ पाते हैं। उनके लिए अलग से कक्षाएँ चलाई जाती हैं।
4. छात्रों के व्यक्तित्व विकास संबंधी विविध आयामों पर उपचारात्मक शिक्षा की व्यवस्था इस संस्था में उपलब्ध है।
5. छात्रों को वैयक्तिक स्तर पर प्रोत्साहित एवं उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है।
6. सामाजिक समस्याओं जैसे समायोजन या अंतर्द्वंद्व के शिकार छात्रों का शैक्षणिक उपचार किया जाता है।

हिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय

1. हिन्दी महाविद्यालय के पुस्तकालय में पाठ्यव´ɔम से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध है एवं छात्रों को नियमानुसार दी जाती है।
2. छात्रों की विषयेत्तर रुचियों से संबंधित पुस्तकें भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।
3. पुस्तकालय में वाचनालय की व्यवस्था है। जिसमें विविध प्रकार की पत्रिकाएँ एवं समाचार पत्र उपलब्ध है।
4. छात्र अधिक से अधिक संख्या में पुस्तकालय में रखी पुस्तकें उपयोग करते हैं।
5. छात्र पाठ्यकम के अतिरिक्त अन्य ज्ञान विज्ञान पुस्तकों का अध्ययन कर ज्ञान का संवर्धन करते हैं।

Fefleneme विभाग की भावी योजनाएँ

1. विश्वस्तर पर हिन्दी माध्यम से इतिहास लेखन पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना।
2. परास्नातक स्तर पर कक्षाएँ प्रारंभ करना।
3. आधुनिक तकनीकी द्वारा शिक्षण कार्य करना।

4 इतिहास की पुस्तकों का लेखन एवं प्रकाशन करना।

5. कार्यशालाओं का आयोजन करना।
6. राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना।
7. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवुं सामग्री चयन हेतु आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को प्रोत्साहित करना।

प्रतिज्ञा

1. हिन्दी महाविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की संस्था बनने में सहयोग देना।
2. हिन्दी विषय को रोचक एवं व्यावहारिक स्तर पर उपयोगी बनाना।
3. विश्व और भारत के इतिहास के जानकारी द्वारा वर्तमान समस्याओं का समाधान करना तथा भावी योजनाओं का निर्माण करना।
4. हिन्दी माध्यम से इतिहास की पुस्तकों के निर्माण में पूर्ण सहयोग देना।

धन्यवाद

Thank You